वर्ष-13, अंक-152, अगस्त 20, 2022

Marengo CIMS Hospital

हृदय और धड़कन

Price ₹ 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848	डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130	डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205	डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266	डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664	डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107		

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107

कार्डियाक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. अमित चंदन	+91-96990 84097
डॉ. किशोर गुप्ता	+91-99142 81008
डॉ. निकुंज व्यास	+91-73531 65955

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700

कार्डियाक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400

JCI NABH ACC International Centers Of Excellence

सीपीआर - कार्डियाक मसाज

सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससीटेशन) या नि की कार्डियाक मसाज के महत्व को समजाने के लिए आपको एक ताजा खबर बताते है। अहमदाबाद में फ्रांस का एक जोड़ा अपनी 5 साल की बेटी के साथ छुट्टियां मनाने आया था। वह लड़की होटल के कमरे के बाथरूम में बाथटब में खेलते खेलते अचानक गिर गइ और डूब गइ। अपनी बच्ची के गिरने की आवाज सुनकर पिता तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। जब उनकी बेटी को पानी से बाहर निकाला गया तो वह सांस नहीं ले पा रही थी और उसकी नब्ज धडकनी बंद हो गई थी। बिना समय बर्बाद किए बिना पिता ने अपनी पत्नी से मदद के लिए डॉक्टर को बुलाने को कहा और वह अपने दोनों हाथों से बेटी की छाती पर मसाज देने लगे (कार्डियाक मसाज) और समय-समय पर अपने मुंह से उनको श्वास देने लगे। यह प्रक्रिया उसने तब तक की जब तक एम्बुलेंस में मौजूद डॉक्टर ने तुरंत बच्चे को वेंटिलेटर पर रखा और जीवन रक्षक दवाएं दी। महज़ पंद्रह मिनट में यह सब हुआ और सोलह मिनट पर तो बच्ची को होश आ गया और उसने सांस लेना भी शुरु कर दिया। उसे 3 दिन तक अस्पताल में रखा गया और आवश्यक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई और आज वह फ्रांस के एक स्कूल में पढ़ रही है।

डॉक्टर के मुताबिक अगर पिताने बच्ची को कार्डियाक मसाज नहीं दिया होता तो शायद उसे बचाया नहीं जा पाता। पिता ने अपने स्कूल के दिनों के दौरान सीपीआर सीखा था। लेकिन आज इतने भाग्यशाली लोग कितने हैं? एक अध्ययन के अनुसार, दिल का दौरा पड़ने के बाद केवल 10 प्रतिशत लोग ही यह उपचार प्राप्त कर पाते हैं और उनमें से केवल 25 प्रतिशत ही जीवित रह पाते हैं। सोचिए अगर सभी को इस तरह का इलाज मिल पाए तो कितने लोगों की जान बचाई जा सकती है?

हमारे सामने हाल के अन्य उदाहरणों में, विमान सफर के दौरान दिल का दौरा (हार्ट एटेक) पड़ने के बाद इलाज न होने के कितने मामले हैं?

जीवनरक्षा की चैन

फोन करे 1800 309 9999 OR 108	सीपीआर	जल्द जानकारी दे	आधुनिक सारवार के लिए भेजे	अस्पताल में देने में आती सारवार

कार्डियाक मसाज क्या है ?

जब किसी व्यक्ति का हृदय बंद हो जाता है, तो उसे चालू करने के लिए दोनों हाथों से छाती की बीच की हड्डी पर एक निश्चित गति और लय से मसाज दिया जाता है, इसे कार्डियाक मसाज या सीपीआर कहा जाता है। दुनिया भर के डॉक्टर पिछले 50 वर्षों या उससे अधिक समय से कार्डियाक मसाज कैसे और कब करें, इसका अध्ययन कर रहे हैं। और हाल ही में, अगस्त 2010 में, अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (AHA) ने कार्डियाक मसाज में महत्वपूर्ण सुधार और सुझाव जारी किए। और इसे अधिक से अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए "**हैंड्स ओन्ली सीपीआर**" या केवल हाथ से सीपीआर/कार्डियाक मसाज को टैग लाइन बनाइ गइ है।

केवल हेंड्स ओन्ली सीपीआर ही क्यों? या मसाज और कृत्रिम श्वसन क्यों नहीं?

नए सुझावों से पहले, सीपीआर या कार्डियाक मसाज की तुलना में कृत्रिम श्वसन पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाता था। लेकिन हाल के अध्ययनों के अनुसार, भले ही किसी व्यक्ति को समय पर मसाज मिल जाए और उसे कृत्रिम श्वसन न दिया जा सके फिर भी शरीर रक्तसंचार (ब्लड सर्क्युलेशन) के माध्यम से शरीर में पहले से घुली ऑक्सीजन का उपयोग कर सकता है। दूसरी बात, हम इसे कितना भी आधुनिक कहें, फिर भी हम किसी अजनबी के मुंह से सांस लेने में झिझकते हैं। जिसकी वजह से भी हम सिर्फ सीपीआर देते है

इन सभी कारणों से नए प्रस्तावों में हैंड्स ओन्ली सीपीआर पर अधिक जोर दिया गया है ताकि यह जीवनदायक विधि दुनिया में सभी को सिखाई जा सके और अधिक से अधिक लोगों की जान बचाई जा सके।

यह विषय पर लिखने का कारण इस पद्धति को सभी तक पहुँचाना है। ताकि हमारे समाज में हमें ही जीवन बचाने और दूसरों का दुआ लेने की खुशी मिले। यदि किसी व्यक्तिको यह प्राथमिक उपचार मिल जाए तो समय पर पहुंचने वाला डॉक्टर भी शायद उस व्यक्तिकी जान बचा सकता है।

साथ ही अगर दस से पंद्रह मिनट तक सीपीआर या कार्डियाक मसाज न दिया जाए तो व्यक्ति का दिमाग जीवन भर के लिए क्षतिग्रस्त हो सकता है और वह ब्रेन डेड या कोमा में चला जाता है।

अब भारत में भी इसको लेकर जागरूकता फैलाई जा रही है। चेन्नई में Tact अकादमी और अहमदाबाद में सिम्स अस्पताल जैसे चिकित्सा संस्थान समाज के विभिन्न वर्गों को सीपीआर के लिए नि:शुल्क ट्रेनिंग देते है जो एक सराहनीय कार्य है।

इसमें इंसान के एक इसमें इंसान के एक फिगर पर सीपीआर करके भी दिखाते हैं और इस ट्रेनिंग देने में सिर्फ डेढ़ से दो घंटे का ही समय लगता है। अन्य बातों की तरह इस टेक्नीकमें विदेशी देश भारत से दो कदम आगे हैं। वहां तो स्कूल से ही बच्चों को यह ट्रेनिंग दी जाती है। हमारे समाज में, इस तरह की ट्रेनिंग मेडिकल एवं पैरामेडिकल संस्थानों तक ही सीमित था। लेकिन सिम्स अस्पताल जैसे संगठनों की पहल के बाद आज उन्होंने समाज के 2000 से अधिक लोगों को कार्डियाक मसाज देने की ट्रेनिंग दी है और ट्रेनी से यह वचन भी लिया जाता है की वे यह तकनीक दूसरों को भी सिखाएंगे।

सीपीआर की तकनीक

मरीज़की प्रतिक्रिया को जांच करे

प्राणघातक घटनाओं की पहचान करें: जब आपके आस-पास कोई व्यक्ति बेहोश हो जाए और उनकी दिल की धड़कन और सांस बंद हो जाए तो उसे हिलाकर या नाम से बुलाकर सुनिश्चित करें कि वह वास्तव में बेहोश है। अगर वह बेहोश है तो तुरंत मदद मांगें। अगर आसपास कोई है तो उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता (मेडिकल इमर्जेन्सी) के लिए कॉल करने के लिए कहें या स्वयं 108 जैसी आपातकालीन सेवा को कॉल करें।

CAB का पालन करें जिसका अर्थ है ,

C - सर्क्युलेशन - मसाज

A - एयरवे - श्वसन पथ

B - श्वसन

जैसे कि पहले उल्लेख किया गया है, एक सामान्य व्यक्ति केवल C सिख सकता है, यानी केवल कार्डियाक मसाज सिख सकता है लेकिन यदि संभव है तो वह C-A-B भी सिख सकता है।

C सर्क्युलेशन /मसाज : जब किसी व्यक्ति की नब्ज रुक जाती है / सांस रुक जाती है, तब उस व्यक्ति को पहले समतल जमीन पर

लिटा दिया जाता है। उस व्यक्ति की छाती के दायीं या बायीं ओर घुटने टेक कर बैठना होता है । सपाट और सख्त जमीन होने पर ही आपके शरीर यानी की छाती पर दबाव डालकर मसाज के द्वारा रक्त का संचार हो पाएगा । अब अपने दोनों हाथों की उंगलियों को एक दूसरे से पिरोए । अपने हाथ की हथेली को छाती के बीच में हड्डी के निचले सिरे के ऊपर रखें।

अब कमर से झुकें और शरीर का सारा भार सीधे रखे हुए दो हाथ पर रखकर छाती को दबाना शुरु करें। इस गति को प्रति मिनट 100 बार तक बनाए रखें। ऐसा लगातार दो मिनट तक करें। हर दो मिनट में व्यक्तिको यह देखने के लिए जांचें कि क्या उनकी दिल की धड़कन वापस आ गई है या क्या वे सांस ले रहे हैं। इस जांच में भी 5-10 सेकंड से अधिक समय ना ले । अगर आप थक गए है तो दूसरों की मदद लें। इस प्रक्रिया के दौरान शरीर को छाती से कम से कम ढाई इंच तक दबाना चाहिए। इस प्रक्रिया को तब तक चालु रखे जब तक कि मरीज़ जाग न जाए या उसे चिकित्सा सहायता न मिल जाए ।

A एयरवे / श्वसन मार्ग : इस प्रक्रिया में, मसाज करने वाले व्यक्ति को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मुंह या मुंह में वायुमार्ग में कुछ हो नहीं और यदि संभव हो तो उनके सिर के नीचे एक पतला तकिया रखें और सिर को एक तरफ कर दें।

C श्वसन : इस प्रक्रिया में मुंह खोलकर नाक बंद कर मुंह को मुंह पर रखें और गहरी सांस दें ताकि छाती फूल जाए। ऐसी दो सांसें हर 30 मसाज के बाद दस सेकंड में दी जा सकती हैं।

अगर कोई सामान्य व्यक्ति A और B न कर पाए तो भी सिर्फ C कार्डिएक मसाज की जा सकती है।

आरोग्य प्राप्ति स्थिती : रोगी को चिकित्सा सहायता प्राप्त होने तक एक तरफ एक पैर के साथ बिस्तर पर लेटाया जा सकता है ।

कार्डियाक मसाज के बारे में जानने योग्य अन्य बातें:

१. नए निर्देशों के अनुसार केवल हैंड्स ओन्ली सीपीआर और C. A. B. अनुसरण करे ना की A. B. C.

२. श्वास देने पर समय बर्बाद किए बिना नियमित कार्डियाक मसाज से अधिक लोगों की जान बच पाएगी ।

३. यदि हम शुरूआती दस-पंद्रह मिनट में मसाज नहीं करते हे तो चिकित्सा विज्ञान भी जीवन नहीं बचा पाएगा ।

४. कार्डियाक मसाज कोई भी कर सकता है जैसे

- छोटे बच्चो का कार्डियाक मसाज उनके वजन और शरीर के अनुसार हल्के हाथ/एक हाथ या दो अंगुलियों से हो।
- गर्भवती मरीज़ को दाहिनी ओर तकिया रखकर कार्डियाक मसाज भी की जा सकती है।
- आकस्मिक छाती की चोट या फ्रैक्चर के लिए भी कार्डियाक मसाज दी जा सकती है।
- आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि हृदय सर्जरी में भी, यदि चालु ऑपरेशन के दौरान हृदय रुक जाता है, तो हृदय का उपचार हैंड्स ओन्ली सीपीआर या मसाज से ही किया जाता है।
- विदेशमें सीपीआर के लिए स्वचालित मशीनें बनाई जाती हैं जो निश्चित समय और लय के अनुसार सीपीआर देती हैं।
- सीपीआर जीवन बचाने की एक कला हे जो सीखने के लिए सिम्स अस्पताल से संपर्क करें या + 91-90990 66527 पर कॉल करें। सिम्स अस्पताल में हर महीने के पहले रविवार को सीपीआर नि:शुल्क सिखाया जाता है।
- आइए हम भी किसी की जान बचाने का संकल्प लें।

Marengo CIMS Hospital

मैरिंगो सिम्स होस्पिटल, अहमदाबाद

मेडिकल टीम में नये डॉक्टर शामिल ।

न्यूरोसायन्सीस (दिमाग के रोग के निष्णांत)

डॉ. मुकेश एन. शर्मा
MBBS, MD, DM (Neurology),
Fellowship in Neurointervention
डिरेक्टर, न्यूरोईन्टरवेन्शन एवं स्ट्रोक
M: +91-93754 88882
dr.mukesh.sharma@marengoasia.com

डॉ. नकुल पाहवा
MBBS, MS(General Surgery) M.Ch (Neurosurgery)
जुनियर कन्सलटन्ट न्यूरो सर्जरी
M: +91-74390 64920
dr.nakul.pahwa@marengoasia.com

गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी

डॉ. राजीव कुमार वंसल
MD, DNB (Gastroenterology)
कन्सलटन्ट गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजीस्ट
M: +91-90999 02925
dr.rajeev.bansal@marengoasia.com

डॉ. निलेष टोक
MBBS, DNB (General Medicine),
DNB (Gastroenterology)
कन्सलटन्ट गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजीस्ट
M: +91-77362 17580
dr.nilesh.toke@marengoasia.com

नेफ्रोलोजी एवं किडनी ट्रान्सप्लान्ट

डॉ. सिध्धार्थ बी. मावाणी
MD, DNB (Nephrology)
डिरेक्टर, नेफ्रोलोजी एवं किडनी ट्रान्सप्लान्ट
M: +91- 98253 17953
dr.siddharth.mavani@marengoasia.com

युरोलोजी

डॉ. स्वाति नायक
MBBS, MS, DNB (Gen. Surgery)
M.Ch. (Urology), FRCS (Urology)
कन्सलटन्ट युरोलोजीस्ट
M: +91- 86068 89141
dr.swati.nayak@marengoasia.com

ओर्थोपेडीक ओन्कोलोजी

डॉ. अश्विन प्रजापति
M.S. Ortho, HBNI Fellow (TMH Mumbai)
ओर्थोपेडीक ओन्कोलोजी
M: +91-98792 88239
ashwinprajapati20@gmail.com

अपोईन्टमेन्ट के लिए : 1800 309 9999

Marengo CIMS Hospital

मैरिंगो सिम्स होस्पिटल, अहमदाबाद

मैरिंगो सिम्स होस्पिटल ने 107 वर्ष की हार्ट अटैक से पीड़ित महिला का किया सफल इलाज, महिला के दिल में 99 फीसदी ब्लॉकेज था, एंजियोप्लास्टी और ड्रग इल्युटिंग स्टेंट से किया उपचार

- 107 वर्ष की इस महिला के बेटे का इलाज भी पहले डॉ केयुर पारिख कर चुके हैं
- मैरिंगो सिम्स होस्पिटल भारत में पसंदीदा हेल्थकेयर डेस्टिनेशन के रूप में तेज़ी से उभर रहा है

मैरिंगो सिम्स होस्पिटल ने मध्य प्रदेश से आई दुनिया की सबसे अधिक उम्र 107 वर्ष की महिला की एंजियोप्लास्टी कर उनका उपचार किया। मध्य प्रदेश में हार्ट अटैक आने के बाद मरीज़ को मैरिंगो सिम्स होस्पिटल लाया गया, जहां एंजियोग्राफी में पता चला कि महिला के दिल की आर्टरीज़ में 99 फीसदी ब्लॉकेज है। महिला की उम्र एवं कमज़ोरी को देखते हुए उनके दिल को फिर से सामान्य स्थिति में लाना चुनौतीपूर्ण था। मैरिंगो सिम्स होस्पिटल ने 100 वर्ष से अधिक उम्र की महिला का सफल इलाज कर एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। टीम का नेतृत्व डॉ केयुर पारिख, इंटरवेंशनल कार्डियोलोजिस्ट एवं चेयरमैन मैरिंगो सिम्स होस्पिटल कर रहे थे और डॉ. चिंतन शेठ, कार्डियक एनेस्थोलोजिस्ट उन्हें असिस्ट कर रहे थे। डॉ पारिख के पास एंजियोप्लास्टी में 37 साल से अधिक (यूएसए एवं भारत) का अनुभव है। वे पिछले 35 सालों में अधिकतम संख्या में एंजियोप्लास्टी और स्टेंट प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक अंजाम दे चुके हैं।

जमनाबेन (बदला हुआ नाम), को आईसक्रीम खाना बेहद पसंद है। उन्हें हार्ट अटैक आने पर उनका परिवार उन्हें तुरंत मैरिंगो सिम्स होस्पिटल लेकर पहुंचा। 107 साल की उम्र की जमनाबेन को अहमदाबाद लाने में तकरीबन 8 घण्टे का समय लगा। इसके बावजूद परिवार को मैरिंगो सिम्स होस्पिटल की सेवाओं पर पूरा भरोसा था। जहां चिकित्सकीय अनुभव और उत्कृश्टता के साथ मरीज़ों का इलाज किया जाता है। और उनका फैसला गलत साबित नहीं हुआ।

मैरिंगो सिम्स होस्पिटल के पास 1 दिन के मरीज़ से लेकर 107 वर्ष के मरीज़ तक में सफल कार्डियोलोजी और कार्डियक सर्जरी करने का रिकॉर्ड है। इससे पहले अस्पताल ने केन्या से आए 90 वर्शीय (जॉन व्हाईट–बदला हुआ नाम, ब्रिटिश/केन्या नागरिकता) के अन्तर्राश्ट्रीय मरीज़ की बाईपास सर्जरी करने का रिकॉर्ड बनाया था। मरीज़ की रेडियल इंटरवेंशनल प्रक्रिया करने के लिए ज़रूरी था कि मरीज़ इतना स्वस्थ हो कि उसकी कलाई से रेडियल आर्टरी ढूंढी जा सके। मैरिंगो सिम्स होस्पिटल ने भारत में 1 दिन के बच्चे से लेकर 80–90 वर्श के असंख्य मरीज़ों और अब 100 वर्श से अधिक उम्र के मरीज़ पर सफल कार्डियक सर्जरी करने की उपलब्धि हासिल की है। हॉस्पिटल का एक सेंटर गुजरात में है जो पिछले कुछ सालों से हर उम्र के मरीज़ों में हार्ट ट्रांसप्लान्ट को सफलतापूर्वक अंजाम दे रहा है।

डॉ राजीव सिंघल, संस्थापक सदस्य, एमडी एवं सीईओ, मैरिंगो एशिया हेल्थकेयर ने कहा, ''मैरिंगो एशिया 'मरीज़ों को प्राथमिकता देने' के दृश्टिकोण पर काम करता है। हम चिकित्सकीय उत्कृश्टता एवं विश्वस्तरीय विशेषज्ञता के साथ मरीज़ों को सर्वश्रेश्ठ उपचार के साथ सर्वश्रेश्ठ परिणाम देते हैं। 107 वर्श की महिला में की गई यह प्रक्रिया हमें प्रेरित करती है कि इलाज की कोई सीमा नहीं होती, इससे मरीज़ों का हममें भरोसा और अधिक बढ़ गया है। आने वाले समय में भी हम उम्र, बीमारी और आर्थिक बाधाओं की सभी चुनौतियों को दूर करते हुए समाज को उत्कृश्ट चिकित्सा सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराते रहेंगे। 'मरीज़ों को प्राथमिकता देने' के दृश्टिकोण के साथ इलाज को सभी के लिए सुलभ एवं किफ़ायती बनाने तथा मरीज़ों को उत्कृश्ट चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के कारण आज हम दो और दुनिया भर के मरीज़ों के लिए आधुनिक उपचार हेतु पसंदीदा गंतव्य बन गए हैं।''

डॉ केयुर पारिख, इंटरवेंशनल कार्डियोलोजिस्ट एवं चेयरमैन, मैरिंगो सिम्स होस्पिटल ने कहा, ''उम्र इलाज में आड़े नहीं आनी चाहिए। भारत में लोगों की औसत उम्र बढ़ रही है और यह जापान एवं नोर्वे की तरह महिलाओं में क्रमशः 74 वर्श और 81 वर्श के समकक्ष आ गई है। बदलती स्वास्थ्य सेवाओं के साथ, हम युवाओं के साथ–साथ अधिक उम्र के मरीज़ों को भी आधुनिक उपचार सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर हैं।''

परिवार ने मैरिंगो सिम्स होस्पिटल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, ''हम चाहते हैं कि हमारी दादी मां और कई सालों तक जीवित रहें। हमारे दादा जी का भी यही इलाज मैरिंगो सिम्स होस्पिटल में किया गया था। हमने उन्हें ठीक होते हुए देखा था। इसलिए हमें विश्वास था कि हमारी दादी भी यहां जल्द ठीक हो जाएंगी।''

दिल के इश्केमिर रोग में दिल की धमनियां (आर्टरी) संकरी हो जाती हैं और दिल की मांसपेशियों तक पर्याप्त मात्रा में रक्त एवं ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं हो पाती, जिससे दिल कमज़ोर हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप मरीज़ को हार्ट अटैक आता है। अध्ययनों के मुताबिक भारत में तकरीबन 40–50 मिलियन लोग आईएचडी से पीड़ित हैं और इसके कारण लगभग 15–20 फीसदी मौतें होती हैं।

Marengo CIMS Hospital

LEADERS IN TRANSPLANT

34TH

HEART TRANSPLANT

AUGUST 25, 2022

37TH

LIVER TRANSPLANT

AUGUST 23, 2022

India's **New Destination** For **Transplants**

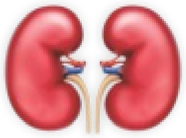

31 Kidney Transplants

171 Paediatric BMT

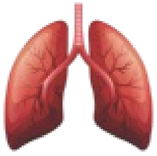

Lung Transplant

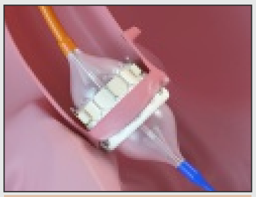

Balloon Expandable Valve

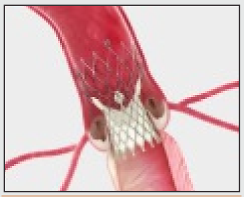

Self Expanding Supra-Annular Valve

A procedure to replace the diseased valve without surgery

26TH **TAVI**

Transcatheter Aortic Valve Implantation

AUGUST 08, 2022

HIGHEST NUMBER IN GUJARAT

100% SUCCESSFUL HOSPITAL OUTCOMES

INDIA'S BEST HEART CARE EXPERTS

Marengo CIMS Hospital

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26th to 30th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2022-2024 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2024
Licence to Post Without Prepayment No. PMG/NG/88/2022-24 valid upto 31st December, 2024

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Call : 1800 309 9999

“हृदय और धड़कन” का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको “हृदय और धड़कन” का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-4805 2823

मैरिंगो सिम्स होस्पिटल, अहमदाबाद

गुणवत्ता और मरीज़ देखभाल के लिए लगातार तीन बार जेसीआई (यूएसए) (JCI-USA) मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार ।

अहमदाबाद शहर में एकमात्र जेसीआई (JCI-USA) मान्यता प्राप्त मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल

पिछले ७ वर्षों में लगातार तीसरी बार जेसीआई (JCI-USA) की मान्यता प्राप्त करने पर गर्व और खुशी है और जेसीआई (JCI-USA) से मान्यता प्राप्त अहमदाबाद शहर का एकमात्र मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल है।

भारत में केवल ३६ मान्यता प्राप्त अस्पतालों में से, हमने विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा के लिए सबसे अच्छी जगह होने का गौरव हासिल किया है।

तीसरी बार गुणवत्ता प्रमाणपत्र हासिल करने के लिए मैरिंगो सिम्स टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद । जाइंट कमीशन इंटरनेशनल-जेसीआई (JCI-USA) एक अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त निकाय है जो इंजीनियरों और निरीक्षकों की एक बड़ी टीम का निरीक्षण करके गुणवत्ता और सुरक्षित रोगी देखभाल के उच्चतम मानकों के लिए अस्पतालों को सोने की मुहर प्रदान करता है।

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।

Marengo CIMS Hospital